दैनिक जागरण 14 भोपाल, 9 सितंबर, 2015

न्यूज कार्नर

सांची विवि की कुलपति ने दिया इस्तीफा

निज प्रतिनिधि, भोपाल। सांची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शशि प्रभा कुमार ने अपने पद से दिया इस्तीफा दे दिया है। राजभवन ने उनके इस्तीफे को अभी तक स्वीकृत नहीं किया है। उन्हें शासन ने 12 मई 2015 को कुलपति नियुक्त किया था। कुलपति कुमार जवाहर लाल नेहरु विवि दिल्ली में प्रोफेसर के पद पर पदस्थ हैं। वे जल्द ही वहां अपनी आमद दर्ज कराएंगी। उनका कहना है कि उन्होंने पारिवारिक परिस्थितियों के कारण राजभवन को अपना इस्तीफा सौंपा है।

हरिभूमि 5 भोपाल, गुरुवार, 10 सितंबर 2015

सांची बौद्ध विवि की कुलपति ने दिया इस्तीफा

- राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा
- पारिवारिक कारणों का दिया हवाला

भोपाल। सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शशिप्रभा ने अपने पद से पारिवारिक कारणों का हवाला देकर इस्तीफा राज्यपाल को सौंप दिया है। हालांकि राज्यपाल ने अभी इस्तीफा मंजूर नहीं किया है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि हो गई है। जानकारी के अनुसार विगत माह डॉ. शशिप्रभा के पिता जी का देहांत होने के बाद वे काफी परेशान थीं, वहीं उनके पति भी हृदय रोग से पीड़ित हैं, जिसके चलते वे वापस अपने पूर्व के विश्वविद्यालय जेएनयू नई दिल्ली वापस जाना चाहती हैं।

एक कारण यह भी इधर एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि जेएनयू नई दिल्ली में कुछ छात्रों के पीएचडी के शोध कार्य अधूरे पड़े हैं, जिन्हें वे पूरा कराना चाहती हैं। सांची विश्वविद्यालय के प्रवक्ता विजय दुबे ने इस संबंध में कोई भी जानकारी होने से इनकार कर दिया है।

नवदुनिया | 09

भोपाल, शनिवार 12 सितंबर 2015

अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन अगले माह

भोपाल। सिंहस्थ से पहले मानव कल्याण पर आधारित 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर दुनियाभर के धर्मगुरु, दार्शनिक, शिक्षाविद् और विद्वान 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर में जुटेंगे। सांची बौद्ध भारतीय-ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय इस

अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन को मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग और इंडिया फाउंडेशन दिल्ली के साथ मिलकर कर रहा है।

सम्मेलन में श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग और भैय्याजी जोशी जैसी हस्तियां शामिल होंगी। साथ ही चीन, जापान, मंगोलिया, तिब्बत, थाइलैंड, म्यामांर, कंबोडिया, श्रीलंका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, नार्वे, इजराइल, सीरिया और अमेरिका से 100 से ज्यादा विद्वान और धर्मगुरु शामिल हो रहे हैं। सम्मेलन में रजिस्ट्रेशन शुल्क नहीं है लिहाजा कोई भी इसमें नामांकन करा सकता है और शामिल हो सकता है। सम्मेलन में दुनिया के सामने मौजूद समस्याओं के निवारण में धर्म की भूमिका पर गंभीर चिंतनमनन होगा।

hindustansamachar.net/category/states/madhya-pradesh/

बहुभाषीय संवाद समिति

सत्य संवाद सेवा HINDUSTHAN SAMACHAR

Category Archives: मध्यप्रदेश

Madhya Pradesh

news AUTHOR HINDUSTHAN SAMACHAR - SEPTEMBER 29, 2015

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इंदौर में, शामिल होंगे 29 देशों के विचारक

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 29 देशों के...

READ MORE

Share Twitter Facebook

टाईम्स आफ इंडिया, इंदौर

29 SEP 2015

Int'l Dharm-Dhamma conference to kick off from Oct 24

Indore: Focusing on the welfare of mankind, Sanchi university of Buddhist and Indic Studies will organize a three-day international conference 'Dharm-Dhamma' on 'Harmony of religions: Welfare of mankind' at Brilliant Convention Center from October 24.

The conference is being organized by Sanchi University based in Raisen district in association with Madhya Pradesh Culture Department and India Foundation, New Delhi.

Many spiritual leaders including Sri Sri Ravi Shankar from Art of Living, Swami Jayendra Saraswati, spiritual leader from Tibet Lomsang Sang, along with Bhutan's foreign minister Lyonpo Damcho Dorji would take part in the conference. TNN

66

फ्री प्रेस, इंदौर 29 SEP 2015

Three-day global meet on religion to begin from city

INDORE

A three-day international conference on 'Harmony of Religions: Welfare of Mankind', organised under the aegis of the Sanchi University of Buddhist and Indic Studies, is scheduled to begin here on October 24, a varsity official said here on Monday.

The conference aims at unity through religions, fraternity, peace, prosperity and welfare, Sanchi university registrar Rajesh Gupta told reporters here.

He said that Bhutan Foreign Minister Lyonpo Damcho Dorji, Lok Sabha Speaker Sumitra Mahajan and Madhya Pradesh Chief Minister Shivraj Singh Chouhan and Kanchi Math pontiff Jayendra Saraswathi would participate in the inaugural session of the conference.

Union Culture Minister Mahesh Sharma and spiritual leader Sri Sri Ravi Shankar will grace the concluding function of the conference, he said. Gupta said that 1,000 people including 100 religious leaders drawn from different parts of the world including US, Japan, China and Sri Lanka are expected to take part in the event.

The conference is being organised by the Sanchi University based in Raisen district with the help of Madhya Pradesh Culture Department and the India Foundation, New Delhi, the varsity official said. PTI

नईदुनिया, इंदौर 29 SEP 2015

शहर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा तीन दिनी अंतरराष्ट्रीय आयोजन

धर्म-धम्म सम्मेलन में शामिल होंगे 29 देशों के 100 धर्मगुरु

इंदौर। तीन दिनी अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर स्कीम नंबर 78 में आयोजित किया जाएगा। विभिन्न धर्मों के 100 गुरुओं समेत 1 हजार विशिष्टजन भाग लेंगे। मानव कल्याण के लिए सभी धर्मों के धर्मग्रंथों की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया सहित 29 देशों के धर्मगुरु, विचारक, चिंतक और विद्वान आएंगे।

मध्यप्रदेश के सांस्कृतिक विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय और इंडियन फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में सम्मेलन सिंहस्थ 2016 को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 6 मुख्य और 4 समानांतर सत्र होंगे। 171 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। सम्मेलन का उद्घाटन भूटान के विदेश मंत्री लोन्पा दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती करेंगे। 26 को समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, ऑर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद रहेंगे। **-नप्र**

इन विषयों पर चर्चा

- विश्व शांति की स्थापना में धर्मों की महत्ता।
- पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं?
- मानव गौरव की रक्षा और लैंगिग समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं?
- सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है?
- मानवता को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाले विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं।

दैनिक भास्कर, इंदौर 29 SEP 2015

मंथन शहर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा धर्म-धम्म सम्मेलन, 29 देशों के धर्मगुरु, शिक्षाविद, चिंतक और विद्वान होंगे शामिल

धर्म मानव के लिए या मानव धर्म के लिए? खोजेंगे जवाब

भास्कर संवाददाता | इंदौर

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही कई सवालों के जवाब खोजने के लिए दुनियाभर से सभी धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद और विद्वान शामिल होंगे।

आस्था का महासंगम- सिंहस्थ 2016 के तहत म.प्र . संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित यह तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन है। सम्मेलन के शुभारंभ अवसर पर भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों पर चर्चा होगी। सम्मेलन के दौरान 130 शोध-पत्र भी प्रस्तुत होंगे। समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, संस्कृति पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद रहेंगे।

इन विषयों पर होगी चर्चा

- विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व
- पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं
- मानव गौरव की रक्षा तथा लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं
- सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है
- मानवता को स्वास्थ्य और आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं।
- विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान।
- धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका
- विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व।

श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, सहित 100 धर्मगुरु आएंगे

सम्मेलन में श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांगे, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, सैयद मोहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी सहित अन्य लोग शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर सभी धर्मों और धर्मग्रंथों की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर सहित 29 देशों से धर्मगुरु, विचारक, चिंतक और विद्वान शामिल होंगे।

पत्रिका, इंदौर 29 SEP 2015

धर्म की परिभाषा समझाने आएंगे विश्वभर के विद्वान

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर में, 29 देशों के धर्मगुरु और शिक्षाविद् करेंगे शिरकत

आयोजन से जुड़ी जानकारी देते रामेश्वर भट्ट और राजेश गुप्ता।

इंदौर @ पत्रिका
patrika.com/city

मानव धर्म के लिए बना है या धर्म मानव के लिए? धर्म क्या है और क्या मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही सवालों के जवाब खोजने के लिए 24 से 26 अक्टूबर को कई देशों के प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, विशेषज्ञ, शिक्षाविद और विद्वान शहर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में जुटेंगे। मौका होगा तीसरे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का। अगले साल उज्जैन में सिंहस्थ के को देखते हुए 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर आयोजित सम्मेलन की मेजबानी प्रदेश सरकार का संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्यनशाला विश्वविद्यालय व भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा की जा रही है।

इन देशों के प्रतिनिधि

आयोजन समिति के राजेश गुप्ता के मुताबिक, अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान,. श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर सहित 29 देशों से धर्मगुरु, विचारक, चिंतक और विद्वान इंदौर आएंगे। मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र होंगे। इसमें विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गौरव आदि विषयों पर चर्चा होगी।

24 अक्टूबर को सम्मेलन का उद्घाटन भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। कांची कामठी के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी इंदौर आएंगे। 26 को समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मप्र के संस्कृति मंत्री सुरेंद्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर उपस्थित होंगे।

दबंग दुनिया इंदौर

29 SEP 2015

'आस्था का महासंगम सिंहस्थ 2016' 24 से

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में जुटेंगे 29 देशों के धर्मगुरु और विद्वान

दबंग रिपोर्टर • इंदौर

अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन के रूप में 'आस्था का महासंगम- सिंहस्थ 2016' ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें अमेरिका, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड सहित 29 देशों के प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, विशेषज्ञ, शिक्षाविद और विद्वान जुटेंगे। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय भोपाल व इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से यह आयोजन किया जा रहा है। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग के साथ ही 100 धर्मगुरु सहित करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे।

सहायक निदेशक जनसंपर्क विजय दुबे और सहायक जनसंपर्क अधिकारी फिरोज खान ने बताया सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान होंगे। इसमें विशेष तौर पर कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती सान्निध्य प्रदान करेंगे। समापन सत्र में 26 अक्टूबर को केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद रहेंगे।

इन्दौर, मंगलवार 29 सितम्बर 2015
6 अग्निबाण

29 देशों के धर्मगुरु व चिंतक आएंगे इंदौर

उद्‌घाटन में शिवराज तो समापन में श्री श्री रविशंकर रहेंगे मौजूद

● इन्दौर।

सिंहस्थ के पहले चार विशाल अंतरराष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। एक सम्मेलन का आयोजन पिछले दिनों भोपाल में और दूसरा सम्मेलन अब इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर को होने जा रहा है, जिसमें 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक और विद्वान मौजूद रहेंगे। उद्‌घाटन में लोकसभा अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे तो समापन सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर आएंगे।

योजना क्र. 78 स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यह विशाल आयोजन होगा, जिसमें मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्व विद्यालय भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नईदिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरु और लगभग 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल रहेंगे। अमेरिका, जापान, चीन, द. कोरिया, भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों से ये विद्वान इंदौर आएंगे। उद्‌घाटन सत्र में भूटान के विदेशमंत्री लोन्का डोंचो डोरजी तो मौजूद रहेंगे ही, वहीं इंदौर की सांसद और लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी रहेंगे। इनके साथ कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति व पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोभ सांग सांगे तो रहेंगे ही, वहीं आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर भी आएंगे। इस आयोजन की जानकारी देते हुए सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का योगदान है अथवा नहीं, विश्व सांची की स्थापना में धर्मों का महत्व, सामाजिक न्याय की स्थापना, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिंक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, जैसे तमाम विषयों पर इस सम्मेलन में चर्चा की जाएगी और लगभग 130 से अधिक शोध पत्र भी प्रस्तुत होंगे। इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्यों में संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष बनागला उपतिस्सा नायका थैरो और अमेरिका वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ. डेविड प्रोले, न्यू एज इस्लाम के संपादक सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ. लोकेशचंद्र सहित कई जाने-माने विद्वान सदस्य हैं। उज्जैन सिंहस्थ के पूर्व इस तरह के चार अंतर्राष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पहला सम्मेलन भोपाल और दूसरा अब इंदौर में होने जा रहा है।

इन्दौर, मंगलवार 29 सितम्बर 2015
6 अग्निबाण

29 देशों के धर्मगुरू व चिंतक आएंगे इंदौर

उद्घाटन में शिवराज तो समापन में श्री श्री रविशंकर रहेंगे मौजूद

● इन्दौर।

सिंहस्थ के पहले चार विशाल अंतरराष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। एक सम्मेलन का आयोजन पिछले दिनों भोपाल में और दूसरा सम्मेलन अब इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर को होने जा रहा है, जिसमें 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक और विद्वान मौजूद रहेंगे। उद्घाटन में लोकसभा अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे तो समापन सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर आएंगे।

योजना क्र. 78 स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यह विशाल आयोजन होगा, जिसमें मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्व विद्यालय भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नईदिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरु और लगभग 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल रहेंगे। अमेरिका, जापान, चीन, द. कोरिया, भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों से ये विद्वान इंदौर आएंगे। उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेशमंत्री लोन्का डोंचो डोरजी तो मौजूद रहेंगे ही, वहीं इंदौर की सांसद और लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी रहेंगे। इनके साथ कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति व पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोभ सांग सांगे तो रहेंगे ही, वहीं आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर भी आएंगे। इस आयोजन की जानकारी देते हुए सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का योगदान है अथवा नहीं, विश्व सांची की स्थापना में धर्मों का महत्व, सामाजिक न्याय की स्थापना, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिंक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, जैसे तमाम विषयों पर इस सम्मेलन में चर्चा की जाएगी और लगभग 130 से अधिक शोध पत्र भी प्रस्तुत होंगे। इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्यों में संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष बनागला उपतिस्सा नायका थैरो और अमेरिका वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ. डेविड प्रोले, न्यू एज इस्लाम के संपादक सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ. लोकेशचंद्र सहित कई जाने-माने विद्वान सदस्य हैं। उज्जैन सिंहस्थ के पूर्व इस तरह के चार अंतर्राष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पहला सम्मेलन भोपाल और दूसरा अब इंदौर में होने जा रहा है।

इन्दौर, मंगलवार 29 सितम्बर 2015
6 अग्निबाण

8/

29 देशों के धर्मगुरू व चिंतक आएंगे इंदौर

उद्घाटन में शिवराज तो समापन में श्री श्री रविशंकर रहेंगे मौजूद

● इन्दौर।

सिंहस्थ के पहले चार विशाल अंतरराष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। एक सम्मेलन का आयोजन पिछले दिनों भोपाल में और दूसरा सम्मेलन अब इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर को होने जा रहा है, जिसमें 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक और विद्वान मौजूद रहेंगे। उद्घाटन में लोकसभा अध्यक्ष के साथ मुख्यमंत्री मौजूद रहेंगे तो समापन सत्र में आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर आएंगे।

योजना क्र. 78 स्थित ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में यह विशाल आयोजन होगा, जिसमें मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्व विद्यालय भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नईदिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजन किया गया है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरु और लगभग 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल रहेंगे। अमेरिका, जापान, चीन, द. कोरिया, भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों से ये विद्वान इंदौर आएंगे। उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेशमंत्री लोन्का डोंचो डोरजी तो मौजूद रहेंगे ही, वहीं इंदौर की सांसद और लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान भी रहेंगे। इनके साथ कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति व पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोभ सांग सांगे तो रहेंगे ही, वहीं आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर भी आएंगे। इस आयोजन की जानकारी देते हुए सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का योगदान है अथवा नहीं, विश्व सांची की स्थापना में धर्मों का महत्व, सामाजिक न्याय की स्थापना, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, जैसे तमाम विषयों पर इस सम्मेलन में चर्चा की जाएगी और लगभग 130 से अधिक शोध पत्र भी प्रस्तुत होंगे। इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्यों में संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष बनागला उपतिस्सा नायका थैरो और अमेरिका वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ. डेविड प्रोले, न्यू एज इस्लाम के संपादक सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ. लोकेशचंद्र सहित कई जाने-माने विद्वान सदस्य हैं। उज्जैन सिंहस्थ के पूर्व इस तरह के चार अंतर्राष्ट्रीय धर्मधम्म सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पहला सम्मेलन भोपाल और दूसरा अब इंदौर में होने जा रहा है।

स्वदेश, इंदौर 29 SEP 2015

'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इन्दौर में

24-26 अक्टूबर तक इंदौर ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में कई आध्यात्मिक गुरु करेंगे शिरकत

इंदौर 28 सितम्बर (नप्र)। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब खोजने 24 से 26 अक्टूबर 2015 के दौरान दुनियाभर से सभी प्रमुख धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में जुटेंगे।

आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016 के तहत मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय,

भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत शिरकत करेंगी। उक्त जानकारी सोमवार को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में पत्रकारवार्ता में दी गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मानव कल्याण

1000 विशिष्ट विद्वान - इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर सभी धर्मों और धर्मग्रंथों की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों से धर्मगुरु, विचारक, चिंतक और विद्वान पधार रहे हैं।

यह रहेंगे उद्घाटन सत्र में - सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री श्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य श्री स्वामी जयेंद्र सरस्वतीजी भी उद्घाटन सत्र में रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेन्द्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकरजी एवं केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद होंगे। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है।

यह है विशिष्ट सदस्य - इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्य

इन विषयों पर होगा मंथन

त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे। जिनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद यानी सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों इत्यादि विषय पर चर्चा होगी। धर्मगुरु और विद्वान इस बात पर चर्चा करेंगे कि-

1. विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व? **2.** पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं? **3.** मानव गौरव की रक्षा तथा लैंगिंग समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं? **4.** सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है? **5.** मानवता को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं। **6.** विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान। **7.** धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका। **8.** विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व।

130 से अधिक शोध-पत्र भी

तृतीय धर्म-धम्म सम्मेलन में 130 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत होंगे। कुछ अहम शोध पत्रों के विषय-● धार्मिक समन्वय में मानव की भूमिका ● में समन्वय मानवता का कल्याण ● धर्म मानव गरिमा की रक्षा के लिए ● व्यक्तित्व निर्माण में नैतिक मूल्यों की प्रासंगिकता ● धर्म का विज्ञान : विश्व शांति की कुंजी ● सांप्रदायिक-सौहार्द में विपश्यना की भूमिका ● विभिन्न धर्मों में योग की अवधारणा ● विकास की राह है धर्म

इंदौर समाचार, इंदौर 29 SEP 2015

'मानव कल्याण के लिए धर्म' पर अंतर्राष्टीय धर्म-धम्म सम्मेलन का इंदौर में आयोजन

इंदौर । 24 से 26 अक्टूबर के दौरान दुनिया-भर से सभी प्रमुख धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरू), शिक्षाविद और विद्वान इंदौर के ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर में जुटेंगे। आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016 के तहत मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित तृतीय अंतरराष्टीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरू श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री श्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरू लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, श्री जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियां शिरकत करेंगी। इस अंतरराष्टीय सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर सभी धर्मों और धर्मग्रंथों की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाइलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों से धर्मगुरू, विचारक, चिंतक और विद्वान पधार रहे हैं।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री श्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमति सुमित्रा महाजन और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य श्री स्वामी जयेंद्र सरस्वतीजी भी उद्घाटन सत्र में रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री श्री सुरेंद्र पटवा, आॅर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकरजी एवं केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के श्री लोबसांग सांगे मौजूद होंगे। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है।

त्रि-दिवसीय अंतरराष्टीय सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे जिनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद यानी सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों इत्यादि विषय पर चर्चा होगी।

सम्मेलन के विशिष्ट सदस्य संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष श्री बनागला उपातिस्सा नायका थैरो, अमेरिकी वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ डेविड फ्रॉले, न्यू एज इस्लाम के संपादक सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ लोकेश चंद्र, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री सामदोंग रिनपोचे और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की पूर्व विभागध्यक्ष प्रो. कुसुम जैन शामिल हैं। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और जम्मू विश्वविद्यालय के बौद्ध दर्शन विभाग के प्रो. वैद्यनाथ लाभ सम्मेलन के सचिव सदस्य है। तृतीय धर्म-धम्म सम्मेलन के संयोजक दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट तथा सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव राजेश गुप्ता है।

पीपुल्स समाचार, इंदौर

29 SEP 2015

शहर में जुटेंगे 29 देशों के 100 धर्मगुरु

इंदौर। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है...ऐसे ही सवालों के जवाब खोजे जाएंगे।

संस्कृति विभाग, बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि व इंडिया फाउंडेशन द्वारा 24 से 26 अक्टूबर तक होने वाले तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशमंत्री लोंपो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैयद मो. अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी सहित सौ धर्मगुरुओं व एक हजार विशिष्ट विद्वान भाग लेंगे। अमेरिका, जापान, चीन, द. कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताईवान, म्यांमार, नेपाल व सिंगापुर आदि 29 देशों से धर्मगुरु, विचारक, चिंतक भी आएंगे। उद्घाटन सत्र में दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन व प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे।

राज एक्सप्रेस इंदौर

29 SEP 2015

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक

इंदौर। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है, धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए, धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है, ऐसे ही सवालों के जवाब खोजने 24 से 26 अक्टूबर के दौरान दुनिया भर से सभी प्रमुख धर्मों के विशेषज्ञ धर्मगुरु शिक्षाविद और विद्वान इंदौर के ब्रिलियंट कनर्वेशन सेंटर मे जुटेंगे। आस्था का महासंगम सिंहस्थ 2016 के तहत मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो.समदोंग रिनपोचे, डॉ.थिक टम डक, प्रो.शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ.एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो.वामसी जूलरी जैसी हस्तियां शिरकत करेंगी। मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर धर्मों और धर्मग्रंथों की प्रमुख बातों से लोगों को अवगत कराने के लिए अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाइलैंड, ताइवान, नेपाल और सिंगापुर जैसे देशों से धर्मगुरु आयेंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे।

नवभारत इंदौर

29 SEP 2015

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 24 से

क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है ? धर्म मानव के लिए है या मानव धर्म के लिए ? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है ? ऐसे ही तमाम सवालो के जवाब खोजने 24 से 2 अक्टूबर 2015 के दौरान दुनिया-भर से सभी प्रमुख धर्मो के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के ब्रिवियंट कनवेंशन सेंटर में जुटेंगे। आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016 के तहत मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली के संयुक्त आयोज में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर आयोजित तृतीय अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरू श्र श्री रविशंकर , स्वामी जयेंद्र सरस्वीत, भूटान के विदेश मंत्री श्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरू लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, श्री जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियां शिरकत करेंगी। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री श्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमति सुमित्रा महाजन और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटी पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वतीजी भी उद्घाटन सत्र में रहेंगे।

चौथा संसार, इंदौर

29 SEP 2015

अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन में आएंगे 29 देशों के धर्म गुरु

इंदौर। 24 से 26 अक्टूबर तक अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होगा। इसमें 29 देशों के 100 धर्म गुरुओं के साथ 1000 विद्वान भाग लेंगे। आयोजन 6 सत्रों में होगा, जिसमें शंकराचार्य, जयेंद्र सरस्वती, रविशंकर आदि भी शामिल होंगे। आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016के तहत आयोजित तृतीय धर्म-धम्म सम्मेलन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर दुनियाभर के 100 से ज्यादा धुरंधर इंदौर में शास्त्रार्थ करेंगे। इसमें विद्वान चर्चा करेंगे कि विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का क्या महत्व है, पर्यावरण संतुलन में धर्मों का क्या योगदान है, मानव गौरव की रक्षा तथा लैंगिग समानता में धर्मों की भूमिका सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगा।

प्रदेश टुडे इंदौर, मंगलवार 29 सितंबर 2015

मानवता के लिए धर्म विषय पर सम्मेलन अक्टूबर में

इंदौर। सिंहस्थ के पहले विलियंट कंवेंशन सेंटर पर मानवता के लिए धर्म विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्ममेलन आयोजित होगा। जिसमें पन्द्रह देशों के लोग शिरकत करेंगे। जिसमें हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाइ, जैन, बौद्ध, यहूदी, पारसी सहित सभी धर्म के प्रमुख लोग रहेंगे। सम्मेलन का उदघाटन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। इस मौके पर कांची के शंकराचार्य के अतिरिक्त, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन रहेगी। कार्यक्रम का शुभारंभ चौबीस अक्टूबर को होगा।

हिन्दुस्तान टाइम्स, इंदौर

29 SEP 2015

were ...

Sri Sri likely to attend int'l religious congregation

INDORE: Art of Living guru Sri Sri Ravishankar and Kanchi Kamkothi Peth Shankaracharya Swami Jayendra Saraswati are expected to participate in an international three-day congregation of religious heads, which will take place at the Brilliant Convention Centre from October 24. The congregation is expected to attract over 100 religious heads and 1,000 academicians from across the country, an official release said on Monday. The theme of the convention is 'Religion for Human Welfare'. Bhutanese foreign minister Lonpo Domcho Dorji, MP and Lok Sabha Speaker Sumitra Mahajan, chief minister Shivraj Singh Chouhan and the Kanchi

विश्व शांति व मानव कल्याण पर मंथन

सांची बौद्ध विवि का धर्म धम्म सम्मेलन 24 से

भोपाल| सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के तीसरे धर्म धम्म सम्मेलन में इस बार 'मानव कल्याण के लिए धर्म' पर मंथन होगा। मंथन के लिए इस बार भारत सहित 50 देशों के 100 धर्मगुरु इसमें शिरकत करेंगे। तीन दिवसीय सम्मेलन में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया है। कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे। सम्मेलन 24 अक्टूबर से शुरू होगा। सम्मेलन इंदौर में आयोजित होगा। सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा आदि आएंगे।

02 | hindustantimes

htbhopal

85

HINDUSTAN TIMES, BHOPAL
WEDNESDAY, SEPTEMBER 30, 2015

NEW SWINE FLU DEATH TAKES TOLL TO 9

BHOPAL: A middle-aged man died from swine flu and six new cases of dengue were detected in Bhopal on Tuesday, said health officials. According to health officials, three people from Bhopal and three from outside Bhopal tested positive for dengue in the city, taking the total figure of dengue in Bhopal to 86. Meanwhile, samples of four patients sent for swine flu testing on Tuesday morning , have come negative. Till date nine people have died from swine flu in the state capital.

7 killed, 3 hurt in wall collapse in Narsinghpur

JABALPUR: Seven persons were killed and three injured when an under-construction warehouse wall collapsed at Salichouka village in Narsinghpur on Tuesday. According to the police, the JCB machine hit the wall by mistake while spreading soil. The wall collapsed and the labourer were buried under the wall, the police said.

Dalit woman kidnapped, gangraped, two detained

BHOPAL: Two persons have been held for the gang rape of a 40-year-old Dalit woman in the Gandhi Nagar area, the police said on Tuesday. The incident occurred on Sunday night but was reported to the police only on Monday night. A case under sections 456, 366, 376 and 506 of Indian Panel Code (IPC) and relevant sections of ST/SC Act has been registered, said police. The accused have been identified as Bharat Kushwaha and Mahesh Mali. They have been detained and are being interrogated.

33-year-old man's body found near railway track

BHOPAL: The body of a man has been recovered near the railway tracks at Singarcholi railway crossing under the Koh-e-fiza police station on Tuesday. The man has been identified as Sunish Krishnan, a 33-year-old nursing staff member at Bhopal's Jawahar Lal Nehru Cancer Hospital. Town inspector Koh-e-Fiza police station, Suryakant Awasthi said that Krishnan had apparently been run over by a train. "Investigation is on. As of now, I cannot comment on whether he was murdered, committed suicide or was accidently run over the train," he said.

Int'l Dharma Dhamma conference from Oct 24

BHOPAL: The third International Dharma-Dhamma Conference will be being organised at Indore by the Sanchi University of Buddhism along with the MP cultural department and India Foundation from October 24 to October 26. Registrar of the university, Rajesh Gupta told media that nearly 50 religious clerics from all faiths and over 350 religious scholars from across the world would participate in the conference which is to be held at the Brilliant Convention Centre in Indore..

Railway job: Fingerprints of 270 fail to match

JABALPUR: The fingerprints of 270 candidates selected for Group-D services in West Central Railway zone Jabalpur was found to be different in the attendance sheet of physical test and the OMR answer sheet. The west central railway (WCR) conducted the recruitment test for Group-D in November 2014. "The verification of the fingerprint marks of the selected candidates was done from July 20 to Sept 24, 2015", Yadav said adding that there were discrepancies in the fingerprints of 270 candidates. "As per the norms the candidates will be debarred for recruitment in the railways," he said.

Couple, buyer held over 'transaction' of wife

RAISEN/BHOPAL: A man and his wife were held in Raisen while trying to strike a deal with a man who was going to 'purchase' the woman whom her husband was portraying as his sister-in-law. However, the bargain soured as the prospective buyer — who has also been detained by the police — started quarreling with the couple after they asked for a higher price of ₹50,000 against the agreed sum of ₹25,000. Town inspector, Kotwali, SN Mukta said that the couple had plotted to defraud Antarsingh. "The three are being interrogated to get more information," he said.

84

भोपाल 30 सितम्बर 2015

दैनिक जागरण 09

धर्म धम्म सम्मेलन में होगा विश्व शांति पर मंथन

निज प्रतिनिधि, भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि की तीसरा धर्म धम्म कांफ्रेंस में इस बार मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के गुरु कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कांफ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में मनाए जाने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे।

◆ इंदौर में होगा तीन दिनी कार्यक्रम

यूनिवर्सिटी अपना तीन दिनी तीसरा धर्म धम्म सम्मेलन आगामी 24 अक्टूबर से मनाने जा रहा है। इस बार यह सम्मेलन भोपाल के स्थान पर इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का स्थान पहले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन रखने पर विचार किया गया था, लेकिन पर्याप्त स्थान के अभाव में कार्यक्रम का स्थान उज्जैन के बजाए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर करने पर सहमति बनी है। कांफ्रेंस में आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशी मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी के साथ ही लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा शामिल होंगे।

50 देशों के 100 धर्मगुरू आएंगे, पत्रकार वार्ता के दौरान विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार व रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 50 देशों के 100 के आसपास धर्मगुरू और 350 से ज्यादा विद्वान आ रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में 150 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने को सहमति मिल गई है।

पेपर जमा करने आखिरी तारीख 30 सितंबर : इस बार सम्मेलन की मुख्य विषय विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गरिमा, बहुलवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य हैं। इन विषयों को अलग-अलग थीम में बांटा गया है। इसके तहत धर्म की विश्व शांति, ईकोलॉजिकल बैलेंस, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक सेवा, ज्ञान, योग परंपरा पर दनिया भर से आए बुद्धिजीवी मंथन करेंगे। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

इन यूनिवर्सिटी से आ रहे शिक्षाविद

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सूनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- क्योसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

30-9-15
NAIDUNIA
Page no 5

83

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आएंगे 50 देशों के धर्मगुरु

- सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर में
- सभी धर्मों के धर्म गुरु सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन इंदौर में होगा। सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। सम्मेलन में 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के धर्म गुरु शामिल होंगे।

सांची विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के करीब 100 धर्म गुरु शामिल होंगे। विवि के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोंपों दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्म गुरु लोबसांग सांग, हजरद सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन सहित अन्य धर्म गुरु शामिल होंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री, लोकसभ स्पीकर सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। इस सम्मेलन में 1 हजार से अधिक विशिष्ट विद्वान भी शामिल होंगे। तीन दिन तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

131 शोध पत्र पढ़े जाएंगे

सम्मेलन के दौरान 131 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। इनमें 50 शोधपत्र विदेशी रहेंगे। इनका चयन विवि ने कर लिया है। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

शांति, पर्यावरण पर चर्चा

सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र आयोजित होंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी।

इन विषयों पर भी चर्चा

■ विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व ■ पर्यावरण संतुलन में धर्मों का कोई योगदान है या नहीं ■ मानव गौरव की रक्षा व लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते है ■ सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है ■ विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान ■ धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका ■ विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व

यहां से आ रहे शिक्षाविद्

■ शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन। ■ वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम ■ डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया। ■ यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए। ■ गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी, जापान। ■ क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक, विचारक और विद्वान शामिल होंगे और परिचर्चा के माध्यम से विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर का परिसंवाद करेंगे।

उक्त सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते हुए सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में दुनियाभर के विद्वान एवं धर्मगुरु सभी धर्मों के धारक तत्वों पर सार्वभौमिक चर्चा करेंगे। डॉ. शशिप्रभा का कहना था कि धर्म के स्तर पर विभिन्न सम्प्रदाय एवं धार्मिक समूहों के बीच विचार पक्ष और आचार्य पक्ष, दोनों को लेकर हमेशा से ही भिन्न-भिन्न मत रहे हैं। विचार पक्ष के स्तर पर सभी धर्म एकमत दिखाई देते हैं, किन्तु इसके कर्मकांडीय पक्ष को लेकर विवाद बना रहता है। उन्होंने कहा कि कर्मकांडीय आचार्य पक्ष के स्तर पर भी गहराई से देखने में आता है कि सभी धर्मों में कुछ पद्धतियाँ समान हैं। उदाहरण के लिए योग की पद्धतियाँ। अत: इस तीन दिवसीय परिसंवाद में विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक परिचर्चा की जाएगी, जो कि विभिन्न मत, पंत, संप्रदाय और धर्मों के बीच आगे एक सूत्रीय मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है। धर्मगुरु और विद्वान एकमत हो, यहां विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व, पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, सामाजिक न्याय की स्थापना में धर्मों की भूमिका, मानव को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका और विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, इस सम्मेलन के बारे में विस्तार से विश्वविद्याल के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन, इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में दुनियाभर के सभी प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के एकत्रित होंगे। ये सभी धर्म मानव के लिए बना है या फिर मानव धर्म के लिए? धर्म मानव का कल्याण कैसे कर सकता है? मनुष्यों की समस्याओं का समाधान धर्म कैसे करता है आदि तमाम सवालों पर चर्चा करते हुए इसके जवाब खोजने का प्रयास करेंगे। उ बताया कि धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री ...पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनों, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. ए. के. मर्चेन्ट, सुल्तान शाहीन जैसी 29 देशों की हस्तियाँ शिरकत करेंगी।

श्री गुप्ता ने बताया कि त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में का उद्घाटन 24 अक्टूबर को कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेन्द्र सरस्वती के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, भूटान के विदेश मंत्री के साथ भारतीय लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की उपस्थिति में होगा। मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों आदि विषयों पर चर्चा होगी।

उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्य संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष श्री बनागला उपातिस्सा नायका थैरो, अमेरिकी वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ डेविड फ्रॉले, न्यू एज इस्लाम के संपादक श्री सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ लोकेश चंद्र, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री सामदोंग रिनपोचे और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की पूर्व विभागध्यक्ष प्रो. कुसुम जैन शामिल हैं। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और जम्मू विश्वविद्यालय के बौद्ध दर्शन विभाग के प्रो. वैद्यनाथ लाभ सम्मेलन के सचिव सदस्य है।

तृतीय धर्म-धम्म सम्मेलन के संयोजक दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट तथा सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता हैं।

हिन्दुस्थान समाचार / मयंक / मुकेश

epaper

Rewa
Satna
Shadol
Sidhi

Recent News

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक
ब्रिट्रिश हाई कमीशन का ब्रिटिश फूड फेस्टिवल
'हम' सभी 21 सीटें जीत, राजग गठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आ रही-मॉझी
महंत अवैद्यनाथ पर डाक टिकट जारी करेगी केंद्र सरकार
सोनोवाल ने दिया एम.आर. पुवम्मा और बबीता कुमारी को अर्जुन पुरस्कार
अब पोस्टमैन बनने के लिए बीटेक छात्र भी होड़ में
भारत-ए ने दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट से हराया
पेट परीक्षा में ऑनलाइन केलकुलेटर
राज्य की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने में जुटी भाजपा: कांग्रेस
बस पलटने से 1 की मौत, 2 गंभीर

मार्केट

बेटी के बाद आशा भोसले ने खोया बेटा

फ़ोटो गैलेरी

81

The Hitavada

BHOPAL ■ Wednesday ■ September 30 ■ 2015

City Line

5

Sanchi University to organise Dharma-Dhamma conference

■ Staff Reporter

RELIGIOUS study experts from all the main religions, academicians and scholars across the globe will be participating the third International 'Dharma-Dhamma Conference on Harmony of Religions: Welfare of Humankind' at the Brilliant Convention Centre in Indore from October 24 to 26.

The event is being jointly organised by the Department of Culture, Government of Madhya Pradesh; Sanchi University of Buddhist-Indic Studies (SUBIS) and the Centre for Study of Religion and Society (CSRS) of India Foundation, New Delhi as a precursor to the Inter-Faith Dialogue-Simhastha 2016. (Kumbha-Ujjain: largest religious congregation).

Spiritual Guru Sri Sri Ravishankar, Jagadguru Jayendra Saraswati- Kanchi Kamakoti Peetham, Foreign Minister of Bhutan Lyonpo Damcho Dorji, Dr Lobsang Sangay, Sikyong of the Central Tibetan Administration, Professor Samdhong Rinpoche, Dr Thich Tam Duc, Professor Shoun Hino, Hazrat Sayyad Mohammad Ashraf, Joseph Mar Thoma, Dr A K Merchant, Sultan Shahin, Professor Vamsee Juluri are a few names among the renowned personalities who will grace the occasion.

In this International conference along with 100 religious gurus, around 1000 distinguished scholars will also be participating.

The highly acclaimed spiritual gurus, thinkers, philosophers and scholars from 29 countries ranging from the USA, Japan, China, South Korea, Bhutan, Cambodia, Thailand Taiwan, Myanmar, Vietnam, Nepal and Singapore will be making aware about harmony of religions for welfare of humankind through discussion on significant information ingrained in all the religions and scriptures.

The conference has its impetus on the harmony of all religions and the usefulness of religion for individual, social and cosmic well being. Its core objective is to bring about solidarity, peace, prosperity and welfare in the world through the agency of religion. It also seeks to explore shared values among different religions of the world.

In this three-day international conference, along with the main session, topics pertaining to global peace, environment and nature, human dignity, pluralism and moral and spiritual values will be discussed in the six parallel sessions. Religious gurus and noted scholars will be discussing.

मध्य उदय

FEATURED

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इस बार इंदौर में, शामिल होंगे 29 देशों के धर्मगुरु और विचारक

Posted On: September 29, 2015

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक, विचारक और विद्वान शामिल होंगे और परिचर्चा के माध्यम से विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर का परिसंवाद करेंगे।

उक्त सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते हुए सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में दुनियाभर के विद्वान एवं धर्मगुरु सभी धर्मों के धारक तत्वों पर सार्वभौमिक चर्चा करेंगे। डॉ. शशिप्रभा का कहना था कि धर्म के स्तर पर विभिन्न सम्प्रदाय एवं धार्मिक समूहों के बीच विचार पक्ष और आचार्य पक्ष, दोनों को लेकर हमेशा से ही भिन्न-भिन्न मत रहे हैं। विचार पक्ष के स्तर पर सभी धर्म एकमत दिखाई देते हैं, किन्तु इसके कर्मकांडीय पक्ष को लेकर विवाद बना रहता है। उन्होंने कहा कि कर्मकांडीय आचार्य पक्ष के स्तर पर भी गहराई से देखने में आता है कि सभी धर्मों में कुछ पद्धतियाँ समान हैं। उदाहरण के लिए योग की पद्धतियाँ। अत: इस तीन दिवसीय परिसंवाद में विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक परिचर्चा की जाएगी, जो कि विभिन्न मत, पंत, संप्रदाय और धर्मों के बीच आगे एक सूत्रीय मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद् 1 जेत किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि 3. ना है। धर्मगुरु और विद्वान एकमत हो, यहां विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व, पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, सामाजिक न्याय की स्थापना में धर्मों की भूमिका, मानव को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका और विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, इस सम्मेलन के बारे में विस्तार से विश्वविद्याल के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन, इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में दुनियाभर के सभी प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के एकत्रित होंगे। ये सभी धर्म मानव के लिए बना है या फिर मानव धर्म के लिए? धर्म मानव का कल्याण कैसे कर सकता है? मनुष्यों की समस्याओं का समाधान धर्म कैसे करता है आदि तमाम सवालों पर चर्चा करते हुए इसके जवाब खोजने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि धर्म-धम्म सम्मेलन में

LIKE US ON FACEBOOK...

मध्य उदय
352 likes

Like Page Share

Be the first of your friends to like this

ताजा खबरें

मिशन इंद्रधनुष का दूसरा चरण 7 अक्टूबर से, महिलाओं-बच्चों का होगा टीकाकरण

तीर्थनगरी में घटिया निर्माण, मिलीभगत से शासकीय धन की लूट

सड़क पर गड्ढों से जनजीवन प्रभावित, जिम्मेदार बने मुकदर्शक

अवैध कत्लखाने होंगे धराशायी

जनसुनवाई में गायों के चारे हेतु महिला ने सौंपा 2500 का चेक

September 2015

M	T	W	T	F	S	S
	1	2	3	4	5	6
7	8	9	10	11	12	13
14	15	16	17	18	19	20
21	22	23	24	25	26	27
28	29	30				

« Aug

ARCHIVES

September 2015

79

मानव विज्ञान के लिए धर्म विषय पर होगा इंदौर में धर्म-धम्म सम्मेलन

भोपाल, (हि.स.)। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक, विचारक और विद्वान शामिल होंगे और परिचर्चा के माध्यम से विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर का परिसंवाद करेंगे।

उक्त सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते हुए सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में दुनियाभर के विद्वान एवं धर्मगुरु सभी धर्मों के धारक तत्वों पर सार्वभौमिक चर्चा करेंगे। डॉ. शशिप्रभा का कहना था कि धर्म के स्तर पर विभिन्न सम्प्रदाय एवं धार्मिक समूहों के बीच विचार पक्ष और आचार्य पक्ष, दोनों को लेकर हमेशा से ही भिन्न-भिन्न मत रहे हैं। विचार पक्ष के स्तर पर सभी धर्म एकमत दिखाई देते हैं, किन्तु इसके कर्मकांडीय पक्ष को लेकर विवाद बना रहता है। उन्होंने कहा कि कर्मकांडीय आचार्य पक्ष के स्तर पर भी गहराई से देखने में आता है कि सभी धर्मों में कुछ पद्धतियाँ समान हैं। उदाहरण के लिए योग की पद्धतियाँ। अतः इस तीन दिवसीय परिसंवाद में विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक परिचर्चा की जाएगी, जो कि विभिन्न मत, पंत, संप्रदाय और धर्मों के बीच आगे एक सूत्रीय मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है। धर्मगुरु और विद्वान एकमत हो, यहां विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व, पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, सामाजिक न्याय की स्थापना में धर्मों की भूमिका, मानव को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका और विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, इस सम्मेलन के बारे में विस्तार से विश्वविद्याल के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन, इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में दुनियाभर के सभी प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के एकत्रित होंगे। ये सभी धर्म मानव के लिए बना है या फिर मानव धर्म के लिए? धर्म मानव का कल्याण कैसे कर सकता है? मनुष्यों की समस्याओं का समाधान धर्म कैसे करता है आदि तमाम सवालों पर चर्चा करते हुए इसके जवाब खोजने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनों, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. ए. के. मर्चेन्ट, सुल्तान शाहीन जैसी 29 देशों की हस्तियाँ शिरकत करेंगी।

श्री गुप्ता ने बताया कि त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में का उद्घाटन 24 अक्टूबर को कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेन्द्र सरस्वती के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, भूटान के विदेश मंत्री के साथ भारतीय लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की उपस्थिति में होगा। मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों आदि विषयों पर चर्चा होगी।

उल्लेखनीय है कि इस सम्मेलन के विशिष्ट सदस्य संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव श्री मनोज श्रीवास्तव, श्रीलंका की महाबोधि सोसायटी के अध्यक्ष श्री बनागला उपातिस्सा नायका थैरो, अमेरिकी वैदिक अध्ययन संस्थान के डॉ डेविड फ्रॉले, न्यू एज इस्लाम के संपादक श्री सुल्तान शाहीन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निदेशक डॉ लोकेश चंद्र, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष श्री सामदोंग रिनपोचे और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग की पूर्व विभागध्यक्ष प्रो. कुसुम जैन शामिल हैं। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के प्रो. श्रीप्रकाश सिंह और जम्मू विश्वविद्यालय के बौद्ध दर्शन विभाग के प्रो. वैद्यनाथ लाभ सम्मेलन के सचिव सदस्य है।

तृतीय धर्म-धम्म सम्मेलन के संयोजक दिल्ली विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग के पूर्व प्रमुख प्रो. सिद्धेश्वर रामेश्वर भट्ट तथा सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री राजेश गुप्ता हैं।

हिन्दुस्थान समाचार / मयंक

इस कार्यक्रम में सभी धर्मों के गुरु कांफ्रेंस में करेंगे शिरकत

धर्म धम्म सम्मेलन में होगा विश्व शांति पर मंथन

स्टार समाचार | भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की तीसरी धर्म धम्म कांफ्रेंस में इस बार "मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के गुरु कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कांफ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में मनाए जाने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे। यूनिवर्सिटी अपना तीसरा धर्म धम्म सम्मेलन आगामी 24 अक्टूबर से मनाने जा रहा है। इस बार यह सम्मेलन भोपाल के स्थान पर इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम का स्थान पहले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन रखने पर विचार किया गया था, लेकिन पर्याप्त स्थान के अभाव में कार्यक्रम का स्थान उज्जैन के बजाए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर करने पर सहमति बनी है।

इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशी मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी के साथ ही लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा आदि आएंगे।

इन यूनिवर्सिटी से आ रहे शिक्षाविद

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सूनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

50 देशों के 100 धर्मगुरू आएंगे

विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार व रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 50 देशों के 100 के आसपास धर्मगुरू और 350 से ज्यादा विद्वान आ रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में 150 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के **शिक्षाविदों** की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है।

पेपर जमा करने आखिरी तारीख आज

इस बार सम्मेलन की मुख्य विषय विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गरिमा, बहुलवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य हैं। इन विषयों को अलग-अलग थीम में बांटा गया है। इसके तहत धर्म की विश्व शांति, ईकोलॉजिकल बैलेंस, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक सेवा, ज्ञान, योग परंपरा पर दनिया भर से आए बुद्धिजीवी मंथन करेंगे। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

30 Sept स्टार समाचार Pg (12)

30 Sept Pg 14 Free Press

State govt, Sanchi Varsity to hold Dharma-Dhamma Conference

Sanchi University of Buddhist-Indic Studies VC Prof Dr Shashiprabha Kumar and Registrar Rajesh Gupta interact with media on Tuesday.

● OUR STAFF REPORTER
BHOPAL

A three-day 3rd International Dharma-Dhamma Conference on 'Harmony of Religions: Welfare of Humankind' would be held from October 24-26 at Brilliant Convection Centre, Indore.

It is being organised by department of culture, MP government, Sanchi University of Buddhist-Indic Studies, MP and Centre for Study of Religion and Society (CSRS) India Foundation, New Delhi.

Addressing the media persons on Tuesday, Registrar of Sanchi University of Buddhist-Indic Studies Rajesh Gupta said, "This is the 3rd International Dharma-Dhamma Conference but for the first time, based on Religion. As many as 350 highly acclaimed spiritual gurus, thinkers, philosophers and scholars of different religions of 50 countries will participate.

CM Shivraj Singh Chauhan, Lok sabha Speaker Sumitra Mahajan , Shankaracharya Jagadguru Sri Jayendra Saraswati, foreign minister of Bhutan Lyonpo Damacho Dorji will be present in inaugural session of this conference. Minister of culture and tourism Sudrendra Patwa, Dr. Lobsang Sangay, Honable Sikyong of central Tibetian Administarion. and Sri Sri Ravi Shanker will grace Valeditary session," Gupta added. He also added that "Around two to three thousands audience could have come. 131 paper would be presented among it 50 papers would be from foreign. And best selected paper would also be published. We are providing free transportation for the participants of Bhopal and for more information they can visit our University websites."

30 Sept चौथा संसार Pg 3

24 से 26 अक्टूबर तक होगा सम्मेलन

धर्म सम्मेलन में 1000 विशिष्ट विद्वान भी शामिल होंगे

भोपाल, निप्र। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब खोजने 24 से 26 अक्टूबर को इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता एवं डायरेक्टर डॉ शशिप्रभा कुमार ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि सम्मेलन में दुनियाभर से सभी प्रमुख धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद और विद्वान इंदौर के ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर में जुटेंगे।

आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016 के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर यह तीसरा धर्म-धम्म सम्मेलन है। जिसमें आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ माथोर्मा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियां शिरकत करेंगी। सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी उद्घाटन सत्र में रहेंगे।

26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मप्र के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर एवं केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद होंगे। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है।

76

धानी

30 Sept चौथा संसार Pg ③

24 से 26 अक्टूबर तक होगा सम्मेलन

धर्म सम्मेलन में 1000 विशिष्ट विद्वान भी शामिल होंगे

भोपाल, निप्र। क्या धर्म मानव का कल्याण कर सकता है? धर्म मानव के लिए बना है या मानव धर्म के लिए? धर्म क्या है और क्या ये मनुष्य की हर समस्या का समाधान कर सकता है? ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब खोजने 24 से 26 अक्टूबर को इंदौर में अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है।

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि के कुलसचिव राजेश गुप्ता एवं डायरेक्टर डॉ शशिप्रभा कुमार ने पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि सम्मेलन में दुनियाभर से सभी प्रमुख धर्मों के विशेषज्ञ (धर्मगुरु), शिक्षाविद और विद्वान इंदौर के ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर में जुटेंगे।

आस्था का महासंगम-सिंहस्थ 2016 के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के संयुक्त आयोजन में मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर यह तीसरा धर्म-धम्म सम्मेलन है। जिसमें आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ माथोर्मा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियां शिरकत करेंगी। सम्मेलन में 100 धर्मगुरुओं समेत करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। श्री गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी उद्घाटन सत्र में रहेंगे।

26 अक्टूबर को होने वाले समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मप्र के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, ऑर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर एवं केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद होंगे। सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन का केंद्रीय उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है।

भोपाल। आईएफएस होतगी द्वारा मारपीट किए जाने के विरोध में मंगलवार को भी वन कर्मचारियों ने धरना दिया।

मुख्यमंत्री की विदे... ही 15 हजार करो...

जापान के सहयोग से दौड़ेगी मेट्रो, ह...

भोपाल, निप्र। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जापान-कोरिया यात्रा के पहले दिन मंगलवार को प्रदेश के लिये बहुत ही लाभदायी रहा। श्री चौहान ने टोक्यो में जापान की विभिन्न संस्थाओं और संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारियों से भेंट की। फलस्वरूप प्रदेश के बुनियादी ढाँचे में 15 हजार करोड़ रुपए के निवेश की सौगात मिली। यह निवेश प्रदेश में ऊर्जा, ग्रामीण पेयजल, मेट्रो रेल परियोजना और जापानी औद्योगिक बस्ती स्थापना के प्रयासों में होगा। प्रदेश में निवेश के लिये जापानी निवेशकों को आकर्षित करने में भी सहयोग का आश्वासन दिया गया।

मुख्यमंत्री चौहान से जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग संस्था (जे.आई.सी.ए.) के उपाध्यक्ष हार्डेकी डोमिची ने भेंट की। इस दौरान संस्था ... ाथ

वस्त्र उत्पादन में 200 करोड़ का घो...

लोकायुक्त को सौंपा जाएगा प्रकरण

भोपाल, निप्र। ग्रामोद्योग मंत्री कुसुम महदेले के निर्देश के बाद हुई जाँच में कुकून, सिल्क धागा और वस्त्र उत्पादन में 200 करोड़ से अधिक की गंभीर वित्तीय अनियमितता सामने आयी है। सुश्री महदेले के निर्देश के बाद राज्य शासन स्तर पर पूरे प्रकरण की जाँच की गयी है।

महदेले को विगत एक वर्ष से लगातार रेशम संचालनालय के अधिकारियों द्वारा गड़बड़ी किये जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। उन्होंने शिकायतों को गंभीरता से लेकर पूरे प्रकरण की जाँच करवायी। जाँच में सामने आया कि पिछले 5 वर्ष के दौरान सुनियोजित तरीके से रेशम धागा एवं वस्त्र उत्पादन में गंभीर अनियमितता की जा रही है। विभाग के प्रमुख सचिव प्रवीर कृष्ण के अनुसार अनियमितता में सहायक प्रबंधक से लेकर महाप्रबंधक तक की मिली-भगत उजागर हुई है।

राज्य शासन ने रेशम संचालनाल... अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक एवं... कार्यवाही शुरू कर दी है। पूरे प्रक... कार्यवाही के लिये लोकायुक्त को सं... प्रकरण में आईपीसी की धारा-409, 477, 479 एवं भ्रष्टाचार निवारण धारा-13.1 ई में दोषियों के वि... प्रस्तावित की गयी है। जाँच में यह भ... उप संचालक आर.के. श्रीवास्तव द्वारा व्यवसाय कर व्यक्तिगत लाभ भी उ... निर्माण एजेंसी नहीं होने के बावजूद भ... ने रेशम फेडरेशन द्वारा निर्माण कार्य क... आदेश दिये तथा लगभग 11 करोड़ क... करवाया। ज्ञातव्य है कि उप संचा... श्रीवास्तव को अनियमितताओं के कार... निलंबित भी किया जा चुका है।

11 के बाद बयान दर्ज कराएंगे दिग्विजय

माशिमं में पांच विधायक सदस्य नामांकित

भोपाल, निप्र। राज्य शासन ने माशिमं में विभिन्न श्रेणी में सदस्यों का नामांकन किया है।

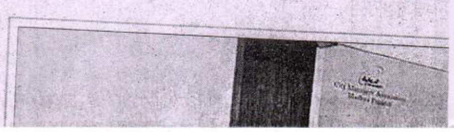

30 Sept सुबह सवेरे Pg 12

आयोजन

भूटान के विदेश मंत्री व लोक सभा अध्यक्ष आएंगी

इंदौर में तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म सम्मेलन 24 अक्टूबर से

सुबह सवेरे, उज्जैन

तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। इसमें दुनियाभर के करीब 100 धर्मगुरुओं सहित एक हजार विद्वान सम्मिलित होंगे। शुभारंभ समारोह में भूटान के विदेश मंत्री व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन उपस्थित रहेंगी। सिंहस्थ-16 को लेकर मप्र शासन के संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि भोपाल और इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली के तत्वावधान में 'मानव कल्याण के लिए धर्म विषय पर सम्मेलन इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा।

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि भोपाल के कुलसचिव राजेश गुप्ता व प्रो. एसआर भट्ट ने सोमवार को बताया सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, जापान, चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाइलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों के धर्मगुरू, विचारक, चिंतक और विद्वान आएंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनो, हजरत सैयद मोहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी भी इसमें शामिल होंगे।

सम्मेलन का उद्घाटन कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वतीजी की उपस्थिति में होगा। भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। 26 अक्टूबर को होने वाले समापन समारोह में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, प्रदेश के संस्कृति और पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, आध्यात्मिक गुरु श्री रविशंकर व केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे उपस्थिति रहेंगे।

एक नजर में सम्मेलन

- मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र होंगे।
- विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद यानी सभी धर्मों को मानने वाले लोगों का सह अस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों के विषय पर चर्चा होगी।
- 130 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत होंगे।

अखाड़ों को जमीन का आवंटन फरवरी में होगा

उज्जैन। सिंहस्थ के लिए अखाड़ों को फरवरी में जमीन का आवंटन किया जाएगा। कलेक्टर और मेलाधिकारी ने सोमवार को शहर आए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरिजी महाराज से मुलाकात में यह बात कही है। महंत गिरि मंगलवार को मेला क्षेत्र का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेने के साथ अफसरों से मुलाकात करेंगे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरिजी का देर शाम नगर आगमन हुआ। महंत से कलेक्टर कवींद्र कियावत एवं अविनाश लवानिया मिले। श्री गिरी ने सड़क, बिजली, पानी, जमीन आवंटन एवं सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। मेलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि मेला प्रारंभ होने के दो माह पहले ही अखाड़ों को शिविर के लिए जमीन का आवंटन करेंगे। अखाड़ों की जमात आने के दस दिन पहले ही सभी सुविधाएं मेला क्षेत्र में जुटा ली जाएंगी। महंत नरेंद्र गिरि ने कहा कि नासिक कुंभ की तरह सिंहस्थ में सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को मेले में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। सभी अखाड़ों को एक समान सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे संतों को कठिनाई का सामना न करना पड़े। अखाड़ों में पेयजल, शौचालय के स्थायी निर्माण पर भी अफसरों से चर्चा हुई।

सम्मेलन

तीसरा अंतरराष्ट्रीय...

नई दुनिया Pg 3 30 Sept

धर्म-धम्म सम्मेलन 24 अक्टूबर से इंदौर में

भोपाल 29 सितंबर (काप्र)।

मानव कल्याण के लिए धर्म विषय के विभिन्न पहलुओं पर वैचारिक मंथन के लिए दुनियाभर के एक हजार विद्वान मध्यप्रदेश के इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में जुटेंगे।

यह जानकारी आज यहां सांची बौद्ध विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ शशि प्रभा कुमार और कुलसचिव राजेश गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में दी। डॉ कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ-2016 के परिप्रेक्ष्य में होने वाली चार संगोष्ठियों में से यह दूसरी संगोष्ठी होगी। डॉ कुमार ने बताया कि मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध विवि, भोपाल और इंडिया फाउंडेशन, नईदिल्ली का यह संयुक्त आयोजन इंदौर के ब्रिलियंट कनवेंशन सेंटर में होगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है। डॉ कुमार ने कहा कि तीन दिवसीय सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनवाद, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों आदि पर चर्चा होगी। सम्मेलन में 131 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे।

26 अक्टूबर के समापन सत्र में केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा, मध्यप्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री सुरेंद्र पटवा, आर्ट ऑफ लिविंग के श्रीश्री रविशंकर और केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के लोबसांग सांगे मौजूद रहेंगे। सांची बौद्ध विवि के बारे में श्री गुप्ता ने बताया कि विवि के लिए रायसेन के पास बारला में जगह देखी है। विवि एक स्कूल भी चालू करेगा। श्री गुप्ता ने कहा कि विवि डिग्री के बजाय रिसर्च पर ज्यादा ध्यान देगा। एक जनवरी से वहां एक-एक महीने के चार सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन इस बार इंदौर में, शामिल होंगे 29 देशों के धर्मगुरु और विचारक

भोपाल। मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 से 26 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विश्व के 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक, विचारक और विद्वान शामिल होंगे और परिचर्चा के माध्यम से विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर का परिसंवाद करेंगे।

उक्त सम्मेलन के संबंध में जानकारी देते हुए सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिष्ट इंडिक स्ट्डीज की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने बताया कि इस तीन दिवसीय आयोजन में दुनियाभर के विद्वान एवं धर्मगुरु सभी धर्मों के धारक तत्वों पर सार्वभौमिक चर्चा करेंगे। डॉ. शशिप्रभा का कहना था कि धर्म के स्तर पर विभिन्न सम्प्रदाय एवं धार्मिक समूहों के बीच विचार पक्ष और आचार्य पक्ष, दोनों को लेकर हमेशा से ही भिन्न-भिन्न मत रहे हैं। विचार पक्ष के स्तर पर सभी धर्म एकमत दिखाई देते हैं, किन्तु इसके कर्मकांडीय पक्ष को लेकर विवाद बना रहता है। उन्होंने कहा कि कर्मकांडीय आचार्य पक्ष के स्तर पर भी गहराई से देखने में आता है कि सभी धर्मों में कुछ पद्धतियाँ समान हैं। उदाहरण के लिए योग की पद्धतियाँ। अतः इस तीन दिवसीय परिसंवाद में विभिन्न विषयों पर गंभीरता पूर्वक परिचर्चा की जाएगी, जो कि विभिन्न मत, पंत, संप्रदाय और धर्मों के बीच आगे एक सूत्रीय मार्ग प्रशस्त करने का कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि धर्मगुरु और विद्वान एकमत हो, यहां विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व, पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, सामाजिक न्याय की स्थापना में धर्मों की भूमिका, मानव को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका और विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

वहीं, इस सम्मेलन के बारे में विस्तार से विश्वविद्याल के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन, इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में दुनियाभर के सभी प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के एकत्रित होंगे। ये सभी धर्म मानव के लिए बना है या फिर मानव धर्म के लिए? धर्म मानव का कल्याण कैसे कर सकता है? मनुष्यों की समस्याओं का समाधान धर्म कैसे करता है आदि तमाम सवालों पर चर्चा करते हुए इसके जवाब खोजने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनों, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. ए. के. मर्चेन्ट, सुल्तान शाहीन जैसी 29 देशों की हस्तियाँ शिरकत करेंगी।

श्री गुप्ता ने बताया कि त्रि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में का उद्घाटन 24 अक्टूबर को कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेन्द्र सरस्वती के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, भूटान के विदेश मंत्री के साथ भारतीय लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की उपस्थिति में होगा। मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों आदि विषयों पर चर्चा होगी।

30 Sept अग्निपथ Pg 3

समय जगत 30 sept Pg (12)

इंदौर में होगा धर्म-धम्म सम्मेलन

भोपाल। सिंहस्थ के मद्देनजर 24 से 26 अक्टूबर के बीच तीसरे धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। मप्र में संस्कृति विभाग, सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि व इंडिया फाऊंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में यह समारोह इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ शशि प्रभा कुमार व कुलसचिव राजेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से कही। उन्होंने बताया, कि उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पों दोम्चो दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। इसमें 29 देशों के 100 धर्म गुरूओं के साथ एक हजार विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। सम्मेलन का उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है।

तक जो मेडिकल करना पड़ता था। से परामर्श ले रहे थे और सभी ने मेडिकल हिस्ट्री देखी और पूरा सुधार आएंगा। सफलता अस्पताल में बुनिय

30 sept स्वदेश Pg (3)

पत्रकार वार्ता

24 से 26 अक्टूबर तक इन्दौर में होगा आयोजन, तैयारियां शुरू

29 देशों के धर्मगुरू शामिल होंगे धर्म-धम्म सम्मेलन में

« स्वदेश संवाददाता। भोपाल

प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में 24 6 अक्टूबर तक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म- सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, में विश्व के 29 देशों के धर्मगुरु, चिंतक, रक और विद्वान शामिल होंगे और परिचर्चा ाध्यम से विभिन्न धर्मों के बीच परस्पर का ंवाद करेंगे। उक्त सम्मेलन के संबंध में कारी देते हुए सांची यूनिवर्सिटी ऑफ बुद्धिष्ट ़ स्टडीज की कुलपति डॉ. शशिप्रभा कुमार ने ा कि इस तीन दिवसीय आयोजन में ाभर के विद्वान एवं धर्मगुरु सभी धर्मों के तत्वों पर सार्वभौमिक चर्चा करेंगे। डॉ. ्रभा का कहना था कि धर्म के स्तर पर विभिन्न ाय एवं धार्मिक समूहों के बीच विचार पक्ष आचार्य पक्ष, दोनों को लेकर हमेशा से ही भिन्न मत रहे हैं। विचार पक्ष के स्तर पर सभी एकमत दिखाई देते हैं, किन्तु इसके ांडीय पक्ष को लेकर विवाद बना रहता है। कहा कि कर्मकांडीय आचार्य पक्ष के स्तर गहराई से देखने में आता है कि सभी धर्मों छ पद्धतियाँ समान हैं। उदाहरण के लिए योग द्धतियाँ। अतः इस तीन दिवसीय परिसंवाद में त्र विषयों पर गंभीरता पूर्वक परिचर्चा की ी, जो कि विभिन्न मत, पंत, संप्रदाय और के बीच आगे एक सूत्रीय मार्ग प्रशस्त करने ार्य करेंगे।

से अधिक धर्मगुरू आएंगे

की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार व रजिस्ट्रार गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 50 देशों के के आसपासं धर्मगुरू और 350 से ज्यादा विद्वान आ रहे हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में 150 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है।

विश्व शांति की स्थापना

उन्होंने कहा कि धर्मगुरु और विद्वान एकमत हो, यहां विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व, पर्यावरण संतुलन में क्या धर्मों का कोई योगदान है भी या नहीं, मानव गौरव की रक्षा और लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं, सामाजिक न्याय की स्थापना में धर्मों की भूमिका, मानव को स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक लाभ पहुंचाने वाली विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाएं, विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान, धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका और विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी।

इन यूनिवर्सिटी से आ रहे शिक्षाविद

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सूनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- क्रांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

मानव कल्याण के लिए धर्म

सम्मेलन के बारे में विस्तार से विश्वविद्याल के कुलसचिव राजेश गुप्ता ने बताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश शासन, इंडिया फाउंडेशन नई दिल्ली और सांची बौद्ध विश्वविद्यालय, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस तीन दिवसीय सम्मेलन में दुनियाभर के सभी प्रमुख धर्मों के धर्मगुरु, शिक्षाविद् और विद्वान इंदौर के एकत्रित होंगे। ये सभी धर्म मानव के लिए बना है या फिर मानव धर्म के लिए? धर्म मानव का कल्याण कैसे कर सकता है? मनुष्यों की समस्याओं का समाधान धर्म कैसे करता है आदि तमाम सवालों पर चर्चा करते हुए इसके जवाब खोजने का प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि धर्म-धम्म सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, स्वामी जयेन्द्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरु लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ. थिक टम डक, प्रो. शॉन हिनों, हजरत सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. ए. के. मर्चेन्ट, सुल्तान शाहीन जैसी 29 देशों की हस्तियाँ शिरकत करेंगी। सम्मेलन में का उद्घाटन 24 अक्टूबर को कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेन्द्र सरस्वती के साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह, भूटान के विदेश मंत्री के साथ भारतीय लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की उपस्थिति में होगा। मुख्य सत्र के साथ-साथ छह समानान्तर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सभी धर्मों के मानने वाले लोगों का सहअस्तित्व, नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों आदि विषयों पर चर्चा होगी।

Pg (3) 30 Sept

■ मानव कल्याण के लिए धर्म की भूमिका पर होगा मंथन

50 देशों के 350 विद्वान होंगे कार्यक्रम में शामिल

गर संवाददाता, भोपाल

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय की तीसरी धर्म धम्म कांफ्रेंस में इस बार –मानव कल्याण के लिए धर्म, विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के गुरु भी कांफ्रेंस में शिरकत करेंगे। संगोष्ठी में 50 देशों के लगभग 350 विद्वान शामिल होंगे।

सांची यूनिवर्सिटी अपना तीसरा धर्म धम्म सम्मेलन आगामी 24 अक्टूबर से मनाने जा रहा है। 24 से 26 तक तीन दिन चलने वाली इस कांफ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल उज्जैन में मनाए जाने वाले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कांफ्रेंस के केंद्र में विश्व शांति, पर्यावरण और नैतिक मूल्य होंगे। इस बार यह सम्मेलन भोपाल के स्थान पर इंदौर में आयोजित किया जा रहा है। हालांकि कार्यक्रम का स्थान पहले सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन रखने पर विचार किया गया था, लेकिन पर्याप्त स्थान के अभाव में कार्यक्रम का स्थान उज्जैन के बजाए ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर करने पर सहमति बनी है। इस कांफ्रेंस में भाग लेने के लिए आध्यात्मिक गुरु रविशंकर, कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशी मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी के साथ ही लोक सभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय संस्कृति मंत्री महेश शर्मा आदि आएंगे। यह जानकारी विवि के कुलपति डॉ शशि प्रभा कुमार व कुलसचिव राजेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से कही। उन्होंने बताया, कि सम्मेलन का उद्देश्य धर्म के मार्ग से एकता, बंधुत्व, शांति, समृद्धि और कल्याण को स्थापित करना है। उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री दोर्जी, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित रहेंगे। जबकि समापन समारोह केंद्रीय पर्यटन संस्कृति मंत्री महेश शर्मा व पर्यटन राज्यमंत्री सुरेंद्र पटवा मौजूद रहेंगे।

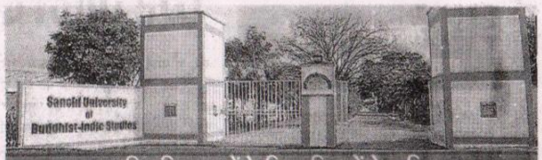

इन विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद होंगे शामिल

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया
- सुनमून यूनिवर्सिटी, असन सिटी साउथ कोरिया
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी जापान
- कांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी जापान

बुधवार तक ही जमा होंगे शोध पत्र

इस बार सम्मेलन की मुख्य विषय विश्व शांति, पर्यावरण व प्रकृति, मानव गरिमा, बहुलवाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य है। इन विषयों को अलग-अलग थीम में बांटा गया है। इसके तहत धर्म की विश्व शांति, ईकोलॉजिकल बैलेंस, लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय, सामाजिक सेवा, ज्ञान, योग परंपरा पर दुनिया भर से आए बुद्धिजीवी मंथन करेंगे। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

100 धर्मगुरू भी करेंगे शिरकत

विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार व रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में 50 देशों के 100 के आसपास धर्मगुरू और 350 से ज्यादा विद्वान सहित लगभग 1 हजार विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में 150 शोध पत्र पढ़े जाएंगे। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है।

भोपाल, बुधवार 30 सितंबर 2015 | नवदुनिया | 05

अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में आएंगे 50 देशों के धर्मगुरु

- सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक इंदौर में
- सभी धर्मों के धर्म गुरु सम्मेलन में होंगे शामिल

भोपाल (नप्र)। सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय का तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन इंदौर में होगा। सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। सम्मेलन में 'मानव कल्याण के लिए धर्म' विषय पर मंथन होगा। धर्म पर मंथन के लिए इस बार सभी धर्मों के धर्म गुरु शामिल होंगे।

सांची विवि की कुलपति प्रो. शशिप्रभा कुमार ने मंगलवार को संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के करीब 100 धर्म गुरु शामिल होंगे। विवि के रजिस्ट्रार राजेश गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेश मंत्री लोंपों दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्म गुरु लोबसांग सांग, हजरद सैय्यद मोहम्मद अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन सहित अन्य धर्म गुरु शामिल होंगे। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री, लोकसभ स्पीकर सुमित्रा महाजन और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। इस सम्मेलन में 1 हजार से अधिक विशिष्ट विद्वान भी शामिल होंगे। तीन दिन तक चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में विमर्श के लिए विषयों का चयन अगले साल औन सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

131 शोध पत्र पढ़े जाएंगे

सम्मेलन के दौरान 131 शोधपत्र पढ़े जाएंगे। इनमें 50 शोधपत्र विदेशी रहेंगे। इनका चयन विवि ने कर लिया है। अभी तक अमेरिका, इजरायल, कोरिया, वियतनाम, ब्रिटेन, तिब्बत, श्रीलंका, चीन, थाईलैंड, म्यांमार, जापान जैसे देशों के शिक्षाविदों की ओर से सम्मेलन में आने की सहमति मिल गई है। सम्मेलन के लिए पेपर जमा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर रखी गई है।

शांति, पर्यावरण पर चर्चा

सम्मेलन में मुख्य सत्र के साथ छह समानांतर सत्र आयोजित होंगे। इनमें विश्व शांति, पर्यावरण एवं प्रकृति, मानव गौरव, बहुवचनदाद और नैतिक व आध्यात्मिक मूल्य सहित अन्य विषयों पर भी चर्चा होगी।

इन विषयों पर भी चर्चा

- विश्व शांति की स्थापना में धर्मों का महत्व
- पर्यावरण संतुलन में धर्मों का कोई योगदान है या नहीं
- मानव गौरव की रक्षा व लैंगिक समानता को धर्म कितना बढ़ावा देते हैं
- सामाजिक न्याय की स्थापना में क्या धर्मों की कोई भूमिका है
- विभिन्न धर्मों में ज्ञान का स्थान
- धार्मिक बहुलता वाले देशों में सहिष्णुता और शांति के साथ रहने में धर्म की भूमिका
- विश्व के विभिन्न धर्मों में सामाजिक सेवा का महत्व

यहां से आ रहे शिक्षाविद्

- शंघाई यूनिवर्सिटी, शंघाई चीन।
- वियतनाम बुद्धिष्ट रिसर्च इंस्टिट्यूट, हो चिन मिन्ह सिटी वियतनाम
- डांगगुक यूनिवर्सिटी, साउथ कोरिया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ सैन फ्रांसिस्को, यूएसए।
- गीफू फार्मास्युटिकल यूनिवर्सिटी, गीफू सिटी, जापान।
- क्वांसेई गाकुइन यूनिवर्सिटी, जापान।

भोपाल, बुधवार, 30.09.2015

पत्रिका

06

सम्मेलन में 29 देशों के धर्मगुरु करेंगे चिंतन

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि में सेमिनार

भोपाल @ पत्रिका
patrika.com

सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विवि का तीसरा अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन 24 से 26 अक्टूबर तक होगा। उज्जैन सिंहस्थ के चलते सम्मेलन का विषय मानव कल्याण के लिए धर्म रखा गया है। इसमें विभिन्न धर्मों में मौजूद योग क्रियाओं आदि मुद्दों पर 29 देशों के धर्मगुरु चिंतन करेंगे। 130 से अधिक शोधपत्र पेश होंगे।

सम्मेलन सांची विवि व इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में इंदौर के ब्रिलिएंट कनवेंशन सेंटर में होगा। उद्घाटन सत्र में भूटान के विदेश मंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, स्पीकर सुमित्रा महाजन व सीएम शिवराज सिंह चौहान शामिल होंगे। कांची कामकोटि पीठ के शंकराचार्य स्वामी जयेंद्र सरस्वती भी मौजूद रहेंगे।

100 धर्मगुरु आएंगे

सम्मेलन में अमेरिका, जापान,चीन, दक्षिण कोरिया, भूटान, श्रीलंका, कंबोडिया, थाईलैंड, ताइवान, म्यांमार, नेपाल और सिंगापुर जैसे 29 देशों के 100 धर्मगुरु और विचारण चिंतन करेंगे।

सम्मेलन में करीब 1000 विशिष्ट विद्वान शामिल होंगे। इनमें आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर, स्वामी जयेंद्र सरस्वती, भूटान के विदेशमंत्री लोन्पो दोम्चो दोर्जी, तिब्बती धर्मगुरू लोबसांग सांग, प्रो. समदोंग रिनपोचे, डॉ थिक टम डक, प्रो.शॉन हिनो, हजरत सैय्यद मो. अशरफ, डॉ. एके मर्चेंट, सुल्तान शाहीन, जोसफ मार्थोमा, प्रो. वामसी जुलूरी जैसी हस्तियों के नाम शामिल हैं। वहीं कई देशों के शिक्षाविद भी शिरकत करेंगे।

100 spiritual leaders to attend meet

TIMES NEWS NETWORK

Bhopal: Exploring shared values among different faiths, third International Dharma-Dhamma conference will be held in Indore on October 24, according to a press release.

The three-day event will be based on the theme 'harmony of religions: Welfare of humankind'. The conference a precursor to next year's Simhastha mela in Ujjain being organised by the MP department of culture, Sanchi University of Buddhist-Indic Studies (SUBIS) and New Delhi-based India foundations centre for study of religion and society.

Conference is likely to have 100 spiritual leaders along with approximately 1,000 scholars in attendance. Participants from 29 countries including the United States, Japan, China, South Korea, Bhutan, Cambodia, Thailand, Taiwan, Myanmar, Vietnam, Nepal and Singapore are likely to attend. Topics of the conference would include parallel sessions on discussions on world peace, environment and nature, human dignity, pluralism, moral and spiritual values.